घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं

मेरे छोटे से मन में लगन लगी,
भगवान मिलेंगे कहीं न कहीं,
घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं.....

फूलों में मिलें कांटों में मिले,
कलियों में मिलेंगे कहीं न कहीं,
भगवान मिलेंगे कहीं न कहीं,
घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं.....

गंगा में मिलें यमुना में मिलें,
सरयू में मिलेंगे कहीं न कहीं,
भगवान मिलेंगे कहीं न कहीं,
घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं.....

चंदा में मिलें सूरज में मिलें,
तारों में मिलेंगे कहीं न कहीं,
भगवान मिलेंगे कहीं न कहीं,
घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं.....

गीता में मिलें भागवत में मिले,
रामायण में मिलेंगे कहीं न कहीं,
भगवान मिलेंगे कहीं न कहीं,
घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं.....

बच्चों में मिलें बूढ़ों में मिलें,
संतों में मिलेंगे कहीं न कहीं,
भगवान मिलेंगे कहीं न कहीं,
घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं.....

मंदिर में मिलें कीर्तन में मिलें,
भक्तों में मिलेंगे कहीं न कहीं,
भगवान मिलेंगे कहीं न कहीं,
घनश्याम मिलेंगे कहीं न कहीं.....

"मधुर भजन बेला"
Shweta Pandey (Varanasi)

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/29653/title/ghanshyam-milege-kahi-na-kahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |